भगवान नित्यानन्द की सिखावनियाँ

तुम जो सुख चाहते हो,

वह

तुम्हारे अन्दर है।

~ भगवान नित्यानन्द

बाबा मुक्तानन्द, *Bhagavan Nityananda: His Life and Mission* [गणेशपुरी, भारत : गुरुदेव सिद्धपीठ, १९८१] पृ. २९

© २०१६ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउण्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।